



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1321]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 24, 2015/आषाढ़ 3, 1937

No. 1321]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 24, 2015/ASADHA 3, 1937

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 24 जून, 2015

## आय-कर

का.आ. 1683(अ).—केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 288 की उपधारा (2) के स्पष्टीकरण के उपखंड (viii) के साथ पठित धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (नौवां संशोधन) नियम, 2015 है।  
 (2) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. आय-कर नियम, 1962 के नियम 51 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"51क. कारबार संबंध की प्रकृति-- धारा 288 की उपधारा (2) के नीचे स्पष्टीकरण के उपखंड (viii) के प्रयोजनों के लिए, "कारबार संबंध", पद का अर्थन्वयन रूप में किया,--

(i) ऐसे वाणिज्यिक संव्यवहारों से, जो इस अधिनियम या चार्टर्ड अकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) और उन अधिनियमों के अधीन बनाए गए नियमों या विनियमों के अधीन किसी संपरीक्षक या संपरीक्षा फर्म द्वारा दी जाने के लिए अनुज्ञात वृत्तिक सेवाओं की प्रकृति के हैं;

(ii) ऐसे वाणिज्यिक संव्यवहारों से, जो कंपनी के कारबार के मामूली अनुक्रम में आसन्निकट कीमत पर हैं - जैसे दूरसंचार, एयरलाइंस, चिकित्सालय, होटल और वैसे ही अन्य कारबारों में लगी हुई कंपनियों द्वारा कारबार के मामूली अनुक्रम में ग्राहक के रूप में संपरीक्षक को उत्पाद या सेवाओं का विक्रय, भिन्न किसी वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए किए गए किसी संव्यवहार के रूप में किया जाएगा।"

[अधिसूचना सं. 50/2015/फा.सं. 142/9/2015-टी.पी.एल.]

राजेश कुमार भूत, निदेशक (कर नीति और विधान)

टिप्पणी—मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में अधिसूचना संख्यांक का.आ. 969(अ), तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे, में और अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1660(अ), तारीख 22/06/2015 द्वारा उनका अंतिम संशोधन किया गया था।

## MINISTRY OF FINANCE

### (Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 24th June, 2015

### INCOME-TAX

**S.O. 1683(E).**— In exercise of the powers conferred by Section 295 read with sub-clause (viii) of *Explanation* to sub-section (2) of section 288 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Ninth Amendment) Rules, 2015.  
(2) They shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
2. In the Income-tax Rules, 1962, after rule 51, the following rule shall be inserted, namely:-

**“51A. Nature of business relationship.**— For the purposes of sub-clause (viii) of *Explanation* below sub-section (2) of section 288, the term “business relationship” shall be construed as any transaction entered into for a commercial purpose, other than, –

(i) commercial transactions which are in the nature of professional services permitted to be rendered by an auditor or audit firm under the Act and the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) and the rules or the regulations made under those Acts;

(ii) commercial transactions which are in the ordinary course of business of the company at arm's length price – like sale of products or services to the auditor, as customer, in the ordinary course of business, by companies engaged in the business of telecommunications, airlines, hospitals, hotels and such other similar businesses.”

[Notification No. 50/ 2015/ F. No. 142/9/2015-TPL]

RAJESH KUMAR BHOOOT, Director (Tax Policy & Legislation)

**Note.** — The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii) vide notification No. S.O. 969(E), dated the 26<sup>th</sup> March, 1962 and last amended vide notification No. S.O. 1660(E), dated 22/06/2015.